

संपादकीय

उदासीन है या फिर वह
जानबूझ कर

अंतराटार्डीय रस्त पर दो देशों की बीच सौहार्द पर आधारित संवर्धनों का मुख्य सूख यह होता है कि दोनों पक्ष एक दूसरे की संप्रभुता का उम्माना करें और नाहक हो कि किसी जिन्दे देश को कठघोरे में छापा जाने वाली गतिविधियों को अपने तीर्ता क्षेत्र में बढ़ावा न दे। लेकिन पिछले कुछ समय से कनाडा में भारत को लक्ष्य करके जिन तरह की कुछ गतिविधियों देखी जा रही हैं, उनमें यह सावल त्वारिखिक ही उठता है कि क्या वहाँ की सटराकार इन सरकार के प्रति उदासीन है या ऐसे वह जानबूझ कर ऐसा होने दे रही है? निश्चित रूप से यह ख्याल लगता है कि अनेकों दृष्टिकोणों से यही है और ऐसी ही दृष्टिकोण पर भारत की अपार्ति का आधार भी याजिब हो। गोटरलव है कि भारत के चंगावां में एक समय हुए 'अपरेशन बूँद टटार्ड' की उनतालीसीरीजी बटडी यानी छह जून से कुछ दिन पहले कनाडा के वैष्टपन शहर में खालिस्तान समर्थकों की ओर से पांच लोकलीवी लंबी एक यात्रा निकाली गई थी। इस दौरान एक द्वारीकी में भारत की पूर्ण प्रधानमंत्री दिवंगत द्विंदी लगायी गी हत्या का दृश्य दर्शाया गया था। नाहिर है, इस तरह के प्रदर्शन की नींवा भारत को कठघोरे में छापा करना था। लेकिन सावल है कि अगर कनाडा भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु देश के रूप में दर्खाकर करता है तो वहाँ भारत के लिहाज ते अलगावादक की भावनाओं को मजबूत दृष्टी द्वारा वाली गतिविधियों के प्रति वह अपेक्षा करेंगे और इसका फल होना चाहिए। इसलिए भारत के विदेश नींवों में राही ही इस बात पर अपार्ति जताई और कहा कि कनाडा लगातार अलगावादीयों, बटडीपर्यायों और द्विंदी का समर्थन करते वालों का फलने-फूलने का योगा दे रहा है और शायद इसके पीछे महाकादम चुनावों में कुछ तरफ हासिल करना है। बाल्कि उन्होंने साफ शब्दों में यह कहा कि यह आपार्ति दिल्ली और कनाडा के लिए ठीक नहीं है। इस मतभेद पर विषपक्षी दलों ने भी आपार्ति जताई है। यानी भारत की ओर से कनाडा के लिए यह रूपरूप संदेश है कि अगर वह अपनी जीवनी पर भारत विरोधी हटकतों पर तोक नहीं लगाता है या उन्हें नियंत्रित नहीं करता है तो इनका एक भारत की ओरी रूपरूप सर्व अधिकारियां करना पड़ेगा।



बहुत समय पहले की बात है। दक्षिण भारत में विजय नगर नाम का एक साम्राज्य हुआ करता था और उस साम्राज्य की बागदोर राजा कृष्णदेव राय के हाथ में थी। एक दिन उनके राज्य में एक अरबी व्यापारी घोड़े बेचने आया। उसने राजा के सामने अपने घोड़ों की इतनी तरीफ की कि महाराज कृष्णदेव उसके सभी घोड़ों को खरीदने के लिए तैयार हो गए। राजा ने व्यापारी की बातों में आकर सारे घोड़े खरीद तो लिए, लेकिन उनके सामने अब एक बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई। मुश्किल यह थी कि सभी घोड़ों को रखा कहाँ जाए। दरअसल, घोड़ों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि राजा का धृसाल उन सभी घोड़ों को रखने के लिए बहुत छोटा था।

एक दूसरा जो कहा पर नेताओं या लोगों, उनमें से किसी भी व्यक्ति को अपने बाहर बाहर नहीं भेज सकता, वह लोगों को एक ही समृद्धि में बहुत ज़्यादा समय व्यतीत करना चाहता है। इसके बारे में एक विश्वासी व्यक्ति यह कहता है कि विनाश का एक विकल्प योग्य है। अब यह आपके लिए एक अच्छा विकल्प है। इसके बारे में एक विश्वासी व्यक्ति यह कहता है कि विनाश का एक विकल्प योग्य है। अब यह आपके लिए एक अच्छा विकल्प है।

वाले थे। वहाँ का छोड़ा तलायी राम को भी मिला। उसकी तरफ बढ़ती समझ बहुत ही कुशल और चतुर थी। अपने खेलों का लिए यह और इस के लिए एक शूष्क लड़का था। उसके बाद ही इस कुदुट्टा के अंदर जागा।

जगह पर तलायी राम की बहत मानकर घोड़े की ओर दौड़ा गया। उसकी आवाज इसकी देखभाव से ही बदल गई। उसके बाद वहाँ तक पहुँचने के लिए उसे सम्पर्क के रूप में इन्हाँ दिया।

बाल दिवस

तेनाली रामा और खूंखार घोड़ा

बहुत समय पहले की बात है। दक्षिण भारत में विजय नगर नाम का एक साम्राज्य हुआ करता था और उस साम्राज्य की बागदोर राजा कृष्णदेव राय के हाथ में थी। एक दिन उनके राज्य में एक अरबी व्यापारी घोड़े बेचने आया। उसने राजा के सामने अपने घोड़ों की इतनी तरीफ की कि महाराज कृष्णदेव उसके सभी घोड़ों को खरीदने के लिए तैयार हो गए। राजा ने व्यापारी की बातों में आकर सारे घोड़े खरीद तो लिए, लेकिन उनके सामने अब एक बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई। मुश्किल यह थी कि सभी घोड़ों को रखा कहाँ जाए। दरअसल, घोड़ों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि राजा का धृसाल उन सभी घोड़ों को रखने के लिए बहुत छोटा था।

एक दूसरा जो कहा पर नेताओं या लोगों, उनमें से किसी भी व्यक्ति को अपने बाहर बाहर न बढ़ाना चाहिए। इसके बाहर आपको अपने बाहर बढ़ाने की जिम्मेदारी नहीं है। अब यह बहुत अच्छा बोला जा सकता है कि यह एक विश्वास विकास की विधि है। इसके बाहर आपको अपने बाहर बढ़ाने की जिम्मेदारी नहीं है। अब यह बहुत अच्छा बोला जा सकता है कि यह एक विश्वास विकास की विधि है।

वाले थे। वहाँ का छोड़ा ताजिया राम की भूमि थी।
तेजानी से माझे बहुत ही कुछ नहीं और बहुत था।
अनेक चोले की लाए गए और इस के लिए
मैंकृष्ण की छोटी-छोटी सुखानाल बकारों को
जागाया। तेजानी राम की खात मानकर घोड़े
पर उसे देखा। उसकी आवाज की वजह से वे

Highlights

1. Guj's Tithal Beach closed for tourists as IMD says Biparjoy to intensify
2. Elon Musk shares meme comparing pics of Taylor Swift & Napoleon Dynamite: criticised
3. Actors Varun Tej and Lavanya Tripathi get engaged, share 1st pics
4. Ukrainian counteroffensive has failed so far: Putin
5. India loses its only ATP 250 tournament after hosting 27 editions since 1996
6. Brij Bhushan was at same premises when police took me to WFI office: Wrestler

Vistara has an alternative uniform for 10% cabin crew due to supply-chain snags

NEW DEIHI, (Agency).

About 10% of Vistara's cabin crew will be seen in black-coloured trousers and polo t-shirts instead of the standard aubergine uniform for a few weeks due to material shortage, the airline said on Friday.

"We are actively working with our suppliers to resolve the issue as quickly as. We would like to assure our customers that irrespective of this temporary uniform, the focus of all our cabin crew remains on delivering world-class customer service," a Vistara spokesperson said.

The country's full-service carrier made the announcement on social media.

"Given our fleet expansion, we have been scaling up our cabin crew strength as well. However, due to an unforeseen issue with the supply of material, Vistara is



experiencing limited availability of its cabin crew uniforms."

It added that some of their cabin crew will be seen in black-coloured trousers and polo t-shirts with Vistara logo instead of their standard aubergine uniform.

An airline official said that Vistara has 2,100 cabin crew out of which around 200 will be seen in the temporary uniform.

"These will all be the newly trained crew, however, we hope to sort this issue in the coming

few weeks," a second official on condition of anonymity said.

"We have taken this step proactively in order to avoid any confusion to our passengers," an airline official said.

This came in as a few reports suggested that due to global supply chain issues, Akasa Air was also unable to get violet colour fabric for its seats thus forcing the airline to operate with different colour seats in some of its aircraft.

Twitter to pay verified content creators for ads in replies: Elon Musk

NEW DEIHI, (Agency).

Twitter will soon start paying verified content creators for the advertisement in their replies, company owner Elon Musk said on Saturday. The first block of payment will be around \$5 million.

"In a few weeks, X/Twitter will start paying creators for ads served in their replies. First block payment totals \$5M," billionaire Elon Musk said in a tweet.

"Note, the creator must be



verified and only ads served to verified users count," he added.

Twitter has moved to subscription-based verification even as it restored the blue tick of users with over a million followers.

The social media giant's

latest move to promote subscriptions and retain advertisers comes days after the newly named chief executive officer Linda Yaccarino took office.

"It happened — first day in the books!" she tweeted earlier this week.

Since Tesla CEO Musk acquired Twitter, the platform has struggled to retain advertisers, who have been wary about the placement of their ads after the company

laid off thousands of employees. Musk is looking to Yaccarino, an advertising veteran, to improve the company's relationship with brands after losing business following his takeover, and rollback of the site's content rules.

In March, Musk said that the messaging service makes about 5 or 6 cents per hour of attention from users and could raise that to 15 cents or more with advertisements that are more relevant and timely.



• क्या किसी के बारे में कछ जानना चाहते हैं

— कब..क्यो..कहाँ..कितना..कैसे..
— पूर्ण गोपनीयता..पूर्ण विश्वसनीयत —



WWW.DETECTIVEGROUP.IN | +91-91110 50101

स्वामी, मुकुर एवं प्रकाशक - पौष्ण प्रायं फेंका टिंबिंगे एलएन-22, सेक्टर १०८, सोनर गेट, इंडियनल लिंगा, ईंटर से मुद्दा एवं ४०६- हैंडली हाउस १५ ए.वी. गेट, ओलॉफ कल्पना, ईंटर (म.प.) से प्रकाशित।

■ ज्ञ.ज्ञ.आई. बी.एच. MIPHL/2015/6653 ■ ज्ञ.प्राप्ति. ज्ञ.आई.एच.एस./1600/2023-2025 ■ प्राप्त टारिख - पूर्णपूर्ण, ■ प्राप्त टारिख - सोनर ज्ञ.प्राप्ति, ■ ज्ञ.प्रो. उत्तम. ज्ञ. : उत्तम. 0731-2433667 ■ प्राप्ति एवं ज्ञ.प्राप्ति का विवरण निम्न तिथि के द्वारा दिया गया है।